खाद्य सुरक्षा और पोषण का एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय अवलोकन, 2023

संदर्भ: खाद्य और कृषि संगठन (FAO) की नई रिपोर्ट के अनुसार भोजन और ईंधन की उच्च कीमतों के साथ-साथ महामारी से उबरने की धीमी गति ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सुभेद्य लोगों के स्वास्थ्य और आजीविका को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

- **ऊंची कीमतों और महामारी से उबरने की धीमी गति का प्रभाव:**
  - कोविड-19 से पहले के स्तर की तुलना में 2022 में एशिया में लगभग 55 मिलियन अधिक लोग अल्पपोषित थे।
  - रिपोर्ट के अनुसार दक्षिणी एशिया कुपोषण से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र है। दुनिया के लगभग आधे कुपोषित और खाद्य-असुरक्षित लोग एशिया-प्रशांत क्षेत्र में रहते हैं।
- **पोषण में लैंगिक असमानताएँ:**
  - पूर्वी एशिया को छोड़कर, इस क्षेत्र में पुरुषों की तुलना में खाद्य असुरक्षा के मामले में महिलाओं की स्थिति चिंताजनक है।
  - लगभग प्रत्येक दसवीं महिला गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना करती है और लगभग एक-चौथाई मध्यम खाद्य असुरक्षा का से ग्रस्त हैं।
- **बच्चों में पोषण संबंधी चुनौतियाँ:**
  - प्रजनन आयु की महिलाओं में एनीमिया की दर अभी भी वैश्विक पोषण लक्ष्यों से कम है।
  - पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में बौनेपन (Stunting), वेस्टिंग और मोटापे की दर व्यापक रूप से बढ़ रही है।
  - 2022 में वैश्विक औसत की तुलना में दक्षिणी एशिया में वेस्टिंग से प्रभावित पांच साल से कम उम्र के बच्चों का प्रतिशत सबसे अधिक है।
- **COVID-19 और 5Fs संकट का प्रभाव:**
  - इस क्षेत्र में COVID-19 महामारी और "5Fs" संकट (food, feed, fuel, fertilizers and finance) के दौरान चिंताजनक आंकड़े देखे गए।
  - इन संकटों का दीर्घकालिक प्रभाव इस क्षेत्र को निरंतर प्रभावित कर रहा है।
- **क्षेत्रीय अल्पपोषण सांख्यिकी:**
  - कुल 370.7 मिलियन अल्पपोषित लोगों के साथ, एशिया-प्रशांत वैश्विक स्तर पर लगभग 50 प्रतिशत कुपोषित संख्या का प्रतिनिधित्व करता है।
  - एशिया और प्रशांत क्षेत्र में अल्पपोषण 2022 में कम होकर 8.4% हो गया, जो पिछले वर्ष 8.8% था, लेकिन फिर भी 2019 की तुलना में 55 मिलियन अधिक है।
- **स्वस्थ आहार की लागत और सामर्थ्य:**
  - भोजन, ईंधन, उर्वरक और पशु आहार की ऊंची कीमतें कुपोषण और खाद्य सुरक्षा के मुद्दों में योगदान करती हैं।
  - एशिया-प्रशांत में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 4.15 क्रय शक्ति समता डॉलर की औसत लागत के साथ स्वस्थ आहार की लागत क्रय शक्ति समता में 5.3% बढ़ गई है।
  - कुपोषित लोगों की कुल संख्या के 85% के साथ इस क्षेत्र में स्वस्थ आहार की लागत लगभग 232.8 मिलियन लोगों की पहुंच से बाहर होने का अनुमान है।

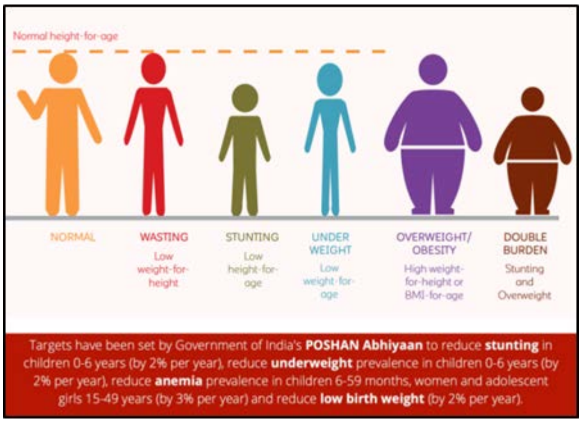

- **कुपोषण में क्षेत्रीय असमानताएँ:**
  - दक्षिण-पश्चिम प्रशांत द्वीप समूह में प्रत्येक पाँच में से एक व्यक्ति कुपोषित है।
  - 2021 में इस क्षेत्र के 1.9 बिलियन लोग स्वस्थ आहार के अभाव से ग्रसित थे, जिसमें 2020 की तुलना में सुधार दिख रहा है।
- **अल्पपोषण प्रवृत्ति:**
  - 2021 में स्वस्थ आहार का खर्च वहन नहीं कर सकने वाले दक्षिणी एशिया में सबसे अधिक लोग (1.4 बिलियन) थे।
  - दक्षिण-पूर्वी एशिया में 2020 की तुलना में स्वस्थ आहार जुटाने में चुनौतियों का सामना करने वाले 8.4 मिलियन लोगों (0.9 प्रतिशत अंक) की वृद्धि देखी गई।

संशोधित आपराधिक सुधार विधेयक

संदर्भ: केंद्र सरकार ने इस वर्ष अगस्त में पेश किए गए आपराधिक सुधार विधेयकों के पुराने संस्करणों को प्रतिस्थापित करते हुए लोकसभा में तीन अद्यतन विधेयक प्रस्तुत किए।

- केंद्र सरकार ने हाल ही में लोकसभा में अगस्त में प्रस्तुत संस्करणों के स्थान पर संशोधित आपराधिक सुधार विधेयक प्रस्तुत किया गया है।
- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इन विधेयकों द्वारा भारतीय दंड संहिता (IPC), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (CrPC) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम सहित महत्वपूर्ण कानूनी ढांचे में बदलाव को अपेक्षित बताया है।
- **पृष्ठभूमि**
  - 11 अगस्त को आपराधिक कानूनों को आधुनिक बनाने के लिए लोकसभा में भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) 2023 और भारतीय साक्ष्य (BS) विधेयक 2023 पेश किए गए हैं।
  - इन्हें भाजपा सांसद बृज लाल की अध्यक्षता में गठित एक स्थायी समिति को भेजा गया था, जिसने विधेयकों की जांच करके संशोधन के लिए सिफारिशें की हैं।

- **समिति की सिफ़ारिशें**
  - **हथकड़ी:**
    - प्रारंभिक BNSS ने "आर्थिक अपराधों" सहित गंभीर अपराधों के लिए हथकड़ी के उपयोग की अनुमति दी थी।
    - समिति ने विशिष्ट अपराधों के लिए हथकड़ी को प्रतिबंधित करने का सुझाव दिया है।
  - **दया याचिकाएँ:**
    - समिति ने दया याचिकाओं के लिए एक अर्ध-न्यायिक बोर्ड स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है।
    - नया विधेयक दया याचिकाओं को गृह विभाग को अग्रेषित करने के प्रावधान को हटाता है। यह अपील न करने योग्य आदेशों का दायरा बढ़ाने के साथ क्रमांकन को खंड 473 से 472 में परिवर्तित करता है ।
  - **निवारक निरोध शक्तियाँ:**
    - BNSS 2023 ने निर्दिष्ट समय सीमा के अभाव में निवारक कार्रवाई में पुलिस की शक्तियों का विस्तार किया है।
    - नया विधेयक हिरासत के लिए 24 घंटे की समय सीमा निर्धारित करता है और "न्यायिक मजिस्ट्रेट" को अधिक सामान्य शब्द "मजिस्ट्रेट" से बदल देता है।
  - **सामुदायिक सेवा:**
    - पहले के BNSS में "सामुदायिक सेवा" को परिभाषित नहीं किया गया है ।
    - नया विधेयक "सामुदायिक सेवा" को परिभाषित करता है और विशिष्ट अपराधों के लिए सजा के रूप में इसके अनुप्रयोग में स्पष्टता प्रदान करता है।
- **आईपीसी और सीआरपीसी में अंतर**

विवरण	आईपीसी (भारतीय दंड संहिता)	सीआरपीसी (दंड प्रक्रिया संहिता)
उद्देश्य	आपराधिक कृत्यों और उनके अनुरूप दंडों को परिभाषित करता है।	आपराधिक अपराधों की जांच, सुनवाई और सजा की प्रक्रिया की रूपरेखा।
दायरा	अपराधों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करते हुए, वास्तविक आपराधिक कानून को शामिल किया गया है।	मुख्य रूप से आपराधिक न्याय प्रशासन और प्रक्रियात्मक पहलुओं से संबंधित है।
प्रकार	आपराधिक कानून का सार प्रदान करने वाला मूल कानून।	आपराधिक कानून लागू करने की प्रक्रिया प्रदान करने वाला प्रक्रियात्मक कानून।
प्रयोज्यता	राष्ट्रव्यापी स्तर पर भारत के संपूर्ण क्षेत्र तक लागू।	जम्मू और कश्मीर सहित पूरे भारत में लागू।
अपराध श्रेणियाँ	व्यक्तियों, संपत्ति आदि के विरुद्ध अपराधों को संबोधित करते हुए अपराधों को वर्गीकृत किया गया है।	गिरफ्तारी, जमानत, जांच, परीक्षण और अपील की प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित करता है।
दंड	विभिन्न आपराधिक अपराधों के लिए दंड निर्धारित करता है।	निष्पक्ष सुनवाई, सजा और अपील के लिए नियम और दिशानिर्देश स्थापित करता है।
कार्य	यह परिभाषित करता है कि किन कार्यों को अपराध माना जाता है और उनके परिणाम क्या हैं।	आपराधिक कार्यवाही के दौरान पालन की जाने वाली कानूनी प्रक्रियाओं की रूपरेखा।
भूमिका	भारत में वास्तविक आपराधिक कानून के प्राथमिक स्रोत के रूप में कार्य करता है।	आपराधिक न्याय के निष्पक्ष और कुशल प्रशासन की सुविधा प्रदान करता है।
एकीकरण	आपराधिक कानूनों का उचित कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सीआरपीसी के साथ मिलकर काम करता है।	आपराधिक प्रक्रियाओं के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करके आईपीसी के साथ एकीकृत करता है।
व्यापकता	व्यक्तियों, संपत्ति, नैतिकता आदि के विरुद्ध अपराधों के व्यापक स्पेक्ट्रम को कवर करता है।	प्रक्रियात्मक पहलुओं के साथ उचित प्रक्रिया और अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।
कार्यान्वयन	विभिन्न स्थितियों में लागू होने वाले अपराधों और दंडों को निर्दिष्ट करता है।	कानूनी कार्यवाही के दौरान आपराधिक कानूनों का वैध और उचित अनुप्रयोग सुनिश्चित करता है।
उदाहरण	मानव शरीर, संपत्ति, महिलाओं, सार्वजनिक शांति आदि के विरुद्ध अपराध।	गिरफ्तारी प्रक्रियाएँ, जमानत सुनवाई, परीक्षण प्रक्रियाएँ और अपीलें।

ग्लोबल रिवर सिटी एलायंस (GRCA)

संदर्भ: दुबई में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG) ने ग्लोबल रिवर सिटीज एलायंस का उद्घाटन किया।

- **पहल और भागीदार:**
  - इसे भारत के जल शक्ति मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG) द्वारा लॉन्च किया गया।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- भागीदार देशों में मिस्र, नीदरलैंड, डेनमार्क, घाना, ऑस्ट्रेलिया, भूटान, कंबोडिया, जापान और हेग (नीदरलैंड), एडिलेड (ऑस्ट्रेलिया), स्ज़ोलनोक (हंगरी) जैसे वैश्विक रिवर सिटीज सम्मिलित हैं।
- विश्व बैंक, एशियन डेवलपमेंट बैंक, एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक जैसे वित्त पोषण संस्थान और नॉलेज पार्टनर KPMG भी इसका हिस्सा हैं।

➢ **गठन और उद्देश्य:**

- 12 दिसंबर, 2023 को दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP28) के दौरान इस अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन की शुरुआत हुई।
- इसका उद्देश्य विश्व स्तर पर नदी संरक्षण और सतत जल प्रबंधन को बढ़ावा देना है।
- यह 2021 में NMCG द्वारा गठित रिवर सिटीज अलायंस (RCA) का विस्तार है।

➢ **लक्ष्य और दायरा:**

- इसका लक्ष्य विश्व स्तर पर स्थायी नदी प्रबंधन प्रथाओं को बड़े पैमाने पर अपनाने का है।
- यह 11 देशों के 275+ वैश्विक रिवर सिटीज को कवर करता है।
- वैश्विक स्तर पर नदी पुनर्जीवन गतिविधियों के समन्वय के लिए जलवायु कार्रवाई पर ध्यान केंद्रित करता है।

➢ **महत्व और भागीदार:**

- यह बहु-हितधारक और बहु-देशीय सहयोग का एक मॉडल प्रस्तुत करता है।
- इसके भागीदारों में संप्रभु देश, शहर, वित्त पोषण संस्थान और नॉलेज पार्टनर सम्मिलित हैं।
- स्थानीय स्तर पर परिवर्तन लाने के लिए वैश्विक कार्रवाई की क्षमता का प्रतीक है।

➢ **उद्देश्यों का प्रसार:**

- सरकारों, शहरी योजनाकारों और वित्त पोषण संस्थानों जैसे हितधारकों के बीच सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए मंच प्रदान करता है।
- इसकी गतिविधियों में शहरों की सम्बद्धता, क्षमता निर्माण और तकनीकी सहायता के कार्य सम्मिलित हैं।

➢ **प्रमुख गतिविधियां:**

- कार्यशालाएँ, क्षमता निर्माण कार्यक्रम और सिटी ट्विनिंग के माध्यम से एक दूसरे से सीखना।
- वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं पर रिपोर्ट और केस स्टडी प्रकाशित करना।
- अनुसंधान और पायलट परियोजनाओं के लिए धन उपलब्ध कराना।

➢ **रिवर सिटीज अलायंस (RCA)**

- **गठन और सदस्य:**
  - यह NMCG द्वारा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स (NIUA) के साथ 2021 में गठित किया गया था।
  - इसमें 142 भारतीय रिवर सिटीज सदस्य के रूप में सम्मिलित हैं।
- **उद्देश्य:**
  - सतत शहरी नदी प्रबंधन पर चर्चा करने और जानकारी का आदान-प्रदान करने के लिए सदस्य शहरों को एक साझा मंच प्रदान करता है।
  - सदस्य शहरों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं और नवाचारों को साझा करने को बढ़ावा देता है।

➢ **राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG)**

- **पहल और अधिदेश:**
  - इसे जल शक्ति मंत्रालय के तहत 2011 में स्थापित किया गया।
  - यह नमामि गंगे कार्यक्रम की कार्यान्वयन शाखा के रूप में कार्य करता है।
  - यह गंगा नदी के पुनर्जीवन हेतु कार्य करता है।
- **NMCG और नमामि गंगे के उद्देश्य:**
  - गंगा में प्रदूषण की प्रभावी कमी सुनिश्चित करना।
  - एकीकृत नदी बेसिन प्रबंधन के माध्यम से जल की गुणवत्ता और पारिस्थितिकी में सुधार करना।
  - नदी बेसिन विकास में पर्यावरणीय और पारिस्थितिक स्थिरता प्राप्त करना।
  - वर्षा जल संचयन और जलभृत पुनर्भरण के माध्यम से जल संरक्षण।
  - उद्योगों और धार्मिक निकायों सहित सफाई पहल में हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित करना।

News in Between the Lines

खाद्य और कृषि संगठन (FAO)

हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (FAO) द्वारा जारी एक रिपोर्ट से पता चला है कि 2022 में एशिया में लगभग 5.5 करोड़ से अधिक लोग अल्पपोषित थे, जो कोविड-19 महामारी से पहले के आंकड़ों से बहुत अधिक है। दक्षिण एशिया इस समस्या से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है।

खाद्य और कृषि संगठन के बारे में:

- खाद्य और कृषि संगठन (FAO) संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है।
- यह सभी के लिए भूख की समाप्ति और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए काम करती है।
- इसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि लोगों को पर्याप्त और उच्च गुणवत्ता वाला भोजन प्राप्त हो तथा वे स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकें।
- इसकी स्थापना 16 अक्टूबर 1945 को ग्रामीण आबादी के लिए कृषि उत्पादकता और जीवन स्तर में सुधार के लिए की गई थी।
- इसका मुख्यालय इटली के रोम में है।
- यह दुनिया भर में 130 से अधिक देशों में अपनी कार्यवाही संचालित करता है। इसमें 194 देशों और यूरोपीय संघ सहित 195 सदस्य शामिल हैं।

पीला धुआं

हाल ही में, संसद पर हमले की 22वीं वर्षगांठ पर, दो लोग पीला धुआं निकालने वाले कनस्तर को लेकर लोकसभा कक्ष में प्रवेश कर गए।

पीला धुआं (Yellow Smoke)के बारे में:

- पीला-भूरा धुआं एक प्रकार का फोटोकेमिकल स्मॉग है।
- इसमें उच्च स्तर का नाइट्रोजन होता है, जो इसे पीला-भूरा रंग देता है।
- फोटोकैमिकल स्मॉग में योगदान देने वाले प्रमुख रासायनिक प्रदूषकों में NO, NO2, वाष्पशील कार्बनिक यौगिक, ओजोन और पैन (पेरोक्सी एसिटाइल नाइट्रेट) शामिल हैं।
- स्मॉग के कुछ प्रभावों में एलर्जी,अस्थमा, श्वसन विफलता, शरीर की प्रतिरक्षा में कमी, संचार प्रणाली और हृदय रोग आदि शामिल हैं।

हरित हाइड्रोजन

निर्यात-केंद्रित हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं को वित्तीय रूप से समर्थन देने के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) बनाने की चर्चा चल रही है।

हरित हाइड्रोजन के बारे में:

- हरित हाइड्रोजन एक रंगहीन, गंधहीन, स्वादहीन , गैर-विषैला और अत्यधिक दहनशील गैसीय पदार्थ है।
- यह एक स्वच्छ ऊर्जा स्रोत है और इसमें कार्बन उत्सर्जन कम करने की क्षमता है।
- यह नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर या पवन ऊर्जा का उपयोग करके पानी के इलेक्ट्रोलिसिस के माध्यम से उत्पादित हाइड्रोजन का एक प्रकार है।
- भारत जैसे देशों में, राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन में निवेश करने से इसका उपयोग परिवहन, बिजली उत्पादन और विभिन्न उद्योगों में हो सकता है।
- इसमें नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके अमोनिया के उत्पादन के माध्यम से कृषि में पारंपरिक उर्वरकों को बदलने की क्षमता है।

प्लूटोनियम

14 दिसंबर 1940 को, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले के शोधकर्ताओं ने पहली बार प्लूटोनियम तत्व को अलग किया था।

प्लूटोनियम के बारे में:

- प्लूटोनियम एक रेडियोधर्मी और सिल्वर-ग्रे धात्विक तत्व है , जिसका प्रतीक Pu और परमाणु संख्या 94 है।
- यह स्वाभाविक रूप से पाए जाने वाले तत्वों में सबसे अधिक परमाणु संख्या वाला तत्व है।
- यह ज्ञात सबसे भारी तत्वों में से एक है और इसे मुख्य रूप से परमाणु रिएक्टरों में यूरेनियम-238 के विखंडन के उप-उत्पाद के रूप में उत्पादित किया जाता है।
- इसका उपयोग परमाणु ऊर्जा रिएक्टरों, परमाणु हथियारों और चिकित्सा में किया जाता है।
- अगस्त 1945 में यह तत्व वैश्विक खबरों में आया था, जब अमेरिका ने हिरोशिमा और नागासाकी पर दो परमाणु बम गिराए थे।
- अमेरिकी वैज्ञानिक ग्लेन टी. सीबॉर्ग ने उस टीम का नेतृत्व किया जिसने पहली बार प्लूटोनियम को अलग किया और 1951 में रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

CCS और CDR

हाल ही में, दुबई में चल रहे COP28 जलवायु वार्ता में, अब तक के मसौदा निर्णयों में CCS और CDR प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके कार्बन उत्सर्जन में कमी और हटाने का उल्लेख किया गया है।

CCS और CDR के बारे में:

- कार्बन कैप्चर और भंडारण (CCS) और कार्बन डाइऑक्साइड रिमूवल (CDR) दोनों ही प्रौद्योगिकियां वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) की मात्रा को कम करती हैं।
- CCS एक जलवायु परिवर्तन शमन तकनीक है जो CO_2 को औद्योगिक प्रक्रियाओं और बिजली संयंत्रों से वायुमंडल में उत्सर्जित करने से पहले ही कैप्चर कर लेती है।
- सीडीआर वायुमंडल से CO_2 को हटाता है और ग्रह को ठंडा करता है।
- इसमें शुद्ध नकारात्मक उत्सर्जन पदचिह्न है, जबकि सीसीएस में कार्बन तटस्थ होने की क्षमता है।
- इन स्रोतों में जीवाश्म ईंधन आधारित उद्योग (जहां कोयला, तेल और गैस का उपयोग बिजली उत्पादन के लिए किया जाता है) और इस्पात तथा सीमेंट उत्पादन जैसी औद्योगिक प्रक्रियाएं शामिल हैं।
- अनुमानों के अनुसार तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने की 50% संभावना के लिए 2040 तक वायु मंडल से 5 बिलियन टन CO_2 को अलग करने की आवश्यकता है।

चर्चित स्थल

पुर्तगाली गणराज्य

हाल ही में लोक प्रशासन और शासन सुधार के क्षेत्र में सहयोग पर भारत-पुर्तगाल के वरिष्ठ सलाहकार निकाय की बैठक आयोजित की गई।

पुर्तगाली गणराज्य (राजधानी: लिस्बन)

अवस्थिति : पुर्तगाली गणराज्य दक्षिण-पश्चिमी यूरोप में आइबेरियन प्रायद्वीप पर स्थित है।

भौगोलिक सीमाएँ: यह स्पेन (उत्तर और पूर्व) और अटलांटिक महासागर (पश्चिम और दक्षिण) से सीमाएं साझा करता है।

भौतिक विशेषताएं:

पुर्तगाल में दो मुख्य पर्वत श्रृंखलाओं का प्रभुत्व है: केंद्र में सेरा दा एस्ट्रेला और दक्षिण में सेरा डी मोंचिक।

पठार: उत्तर-पूर्व में ट्रैस-ओएस-मोंटेस पठार।

नदी: टैगस (रियो तेजो) सबसे लंबी नदी है, जो राजधानी लिस्बन से होकर बहती है।

द्वीपसमूह: पुर्तगाली गणराज्य में अज़ोरेस और मदीरा के द्वीपसमूह शामिल हैं, दोनों स्वायत्त क्षेत्र हैं।

POINTS TO PONDER

- आसियान सदस्यों ने 2026 में किस देश को रोटेशन अध्यक्षता पद से वंचित करने का निर्णय लिया है? **- म्यांमार**
- किसानों के अधिकारों के लिए पहली वैश्विक संगोष्ठी ('Global Symposium for Farmers' Rights')कहाँ आयोजित की गई थी? **- नई दिल्ली**
- YUVAI पहल इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और किस कंपनी के बीच एक साझेदारी है? **- मेटा (Meta)**
- कौन सा बैंक नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (NARCL) के प्रायोजक के रूप में कार्य करता है? **- केनरा बैंक**
- इंडियन मेडिसिन्स फार्मास्युटिकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड किस केंद्रीय मंत्रालय के अंतर्गत संचालित होता है? **- आयुष मंत्रालय**

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com